संपादकीय

बदलाव की आकांक्षा

नववर्ष के आगमन के साथ ही उत्सव, बदलाव के लिए संकल्प की शुरुआत होती है। बधाइयों के सिलसिले के बीच हम भूल जाते हैं कि व्यक्ति हो या राष्ट्र, बदलाव रचनात्मक पहल और प्रयासों से ही संभव होते हैं,?जो हमारे संकल्पों से ही आते हैं। मगर संकल्पों को हकीकत में बदलने के प्रयास भी उतने ही जरूरी हैं। तभी हम नई शुरुआत से बेहतर जीवन का सुकून हासिल कर सकते हैं। संकल्प यानी लक्ष्य को लेकर खुद से किया गया वादा। हम बदलाव के लिये कुछ त्यागने को भी तैयार रहें। बहुत संभव है शुरुआत में हमें परेशानी हो, मगर धीरे-धीरे यह हमारी आदत में शुमार हो जाएगा। दरअसल, हम अपनी सुविधाजनक दिनचर्या-जीवनशैली को छोड़ना नहीं चाहते। या फिर यूं कहें कि हम संकल्प को लेकर प्रतिबद्ध नहीं होते। यदि हम चाहते हैं कि नये साल के साथ वास्तविक मायनों में जीवन में बदलाव आये तो आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य हेतु जुट जाना चाहिए। मानसिक व शारीरिक रूप से तैयार रहना चाहिए। हम लक्ष्य की सही दिशा चुनें। उस पर ध्यान केंद्रित करें तथा बाधक तत्वों से परहेज करें। जीवन में स्वानुशासन काफी मददगार साबित हो सकता है। दरअसल, जरूरी है कि लक्ष्य के प्रति एकाग्रता बढ़ाएं तथा ऊर्जा का क्षय करने वाले तत्वों से बचें। ऐसे सकारात्मक सोच वाले लोगों से विमर्श करें जो हमें लक्ष्य प्राप्ति के लिये ऊर्जा व मार्गदर्शन दे सकते हैं।

परिवर्तन के लिये जरूरी है कि शुरुआती बाधाओं से उपजे व्यवधानों को दूर करने का प्रयास करें। हमारे वैचारिक पक्ष में स्पष्टता हो। हम अपनी कमजोरियों पर मंथन करें व अपने आवेशों पर नियंत्रण करना सीखें। किसी भी दुविधा का परित्याग हमारी दृष्टि को परिमार्जित कर सकता है।?जरूरी नहीं है कि नये साल के पहले दिन, पहले पखवाड़े या फिर पहले महीने में ही संकल्प के लक्ष्य हासिल हो जायें। हम फरवरी-मार्च तक का समय भी ले सकते हैं ताकि आगे के लक्ष्यों के लिये हम मानसिक रूप से तैयार हो सकें। हमारे व राष्ट्र के जीवन में बदलावकारी परिवर्तन निरंतर प्रयासों की श्रृंखला का ही प्रतिफल होता है। नया साल हमारी क्षमताओं के मूल्यांकन का मौका है। यदि हमारी सोच प्रगतिशील व परिवर्तन को स्वीकारने वाली हो तो हम नये साल को सही मायनों में बदलाव का वाहक बना सकते हैं। धीरे-धीरे छोटे लक्ष्य भी निर्धारित कर सकते हैं। जनवरी माह में लक्ष्य हासिल करने की जल्दबाजी की वजह से अधिकांश लोगों के लक्ष्य फरवरी आते-आते निरर्थक हो जाते हैं। हम अपनी क्षमताओं का भी सही ढंग से मूल्यांकन करें।

देश में 5जी का सपना अभी नहीं होगा साकार, लग सकते हैं 3-4 साल

नई दिल्ली (आरएनएस)। क्या 3 घंटे की फिल्म को 3 सेकेंड में डाउनलोड करने का सपना हकीकत बनने में अभी लंबा वक्त लेगा/ क्या टेलिकॉम इंडस्ट्री पांचवीं जेनरेशन की तकनीक जिसे आम भाषा में 5जी कहा जाता है, आम लोगों तक पहुंचाने से परहेज कर रही है/ ये सवाल तब उठ रहे हैं, जब देश में 5जी तकनीक को लाने की तमाम कोशिशें अपेक्षित सफलता पाती नहीं दिख रही हैं। टेलिकॉम इंडस्ट्री ने इस तकनीक को लेकर खासा उत्साह नहीं दिखाया है। इंडस्ट्री का मानना है कि टेलिकॉम कंपनियों की आर्थिक सेहत ऐसी नहीं कि वे 5जी तकनीक में आक्रामक रूप से निवेश कर सकें। न ही सरकार ने अभी तक संसाधन उपलब्ध कराए हैं।

मंदी बताई जा रही बड़ी वजह

हाल के दिनों में टेलिकॉम इंडस्ट्री में मंदी का दौर रहा है। महंगे स्पेक्ट्रम की कीमत और डेटा वॉर के बीच इंडस्ट्री का मुनाफा लगातार कम हो रहा है। मोबाइल ऑपरेटर असोसिएशन के डीजी राजन मैथ्यूज ने कहा कि ऐसे समय जब इंडस्ट्री खुद नाजुक दौर से गुजर रही है, उसके सामने मौजूदा तकनीक और सर्विस को बेहतर तरीके से देते रहना ही एक चुनौती है। इस सूरत में 5जी में निवेश करना इंडस्ट्री के लिए आसान बात नहीं। वह इस मामले में सरकार से नरम नीति की अपेक्षा रखती है। वहीं सरकार 5जी तकनीक को बेचकर अपनी माली हालत दुरुस्त करने की मंशा रखती है। अभी के टारगेट के हिसाब से सरकार को इस साल 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी करनी है, मगर अभी जो हालात हैं, उस हिसाब से इसमें देरी होनी तय है।

भारत से बाहर देखें तो दक्षिण कोरिया, चीन, जापान जैसे देश अगले साल 5जी तकनीक को लोगों तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और इसके लिए उनका होमवर्क भी पूरा हो चुका है। दरअसल, जिस तरह बुलेट ट्रेन के लिए पूरी तरह अलग ट्रैक बनाने की जरूरत होती है, उसी तरह 5जी तकनीक के लिए भी खास इंतजाम करने होते हैं। इसके लिए 80 फीसदी मोबाइल टावर को ऑप्टिकल फाइबर से लैस करने की जरूरत होती है।

शीर्ष 6 कंपनियों का एमसीएपी 38,153 करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली (आरएनएस)। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह का बाजार पूंजीकरण बीते सप्ताह 38,152.86 करोड़ रुपये घट गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज को इस दौरान सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और एचडीएफसी को बाजार पूंजीकरण में नुकसान हुआ। वहीं इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआईबैंक का बाजार पूंजीकरण बढ़ गया।

समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 16,955.65 करोड़ रुपये घटकर 6,96,639.64 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 8,626.12 करोड़ रुपये कम होकर 3,85,361.63 करोड़ रुपये, टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 8,198.96 करोड़ रुपये घटकर 7,03,178.13 करोड़ रुपये पर आ गया।

अपने पसंदीदा टीवी चैनलों के लिए ही देने होंगे पैसे

नई दिल्ली (आरएनएस)। डिश और केबल टीवी के उपभोक्ताओं को कई बार उन चैनलों के लिए भी भुगतान करना पड़ता है, जिन्हें वह कभी नहीं देखते। इसकी वजह यह होती है कि वे एक पैक का हिस्सा होते हैं। लेकिन, अब एक फरवरी से इसमें बदलाव होने वाला है। इस चेंज की डेडलाइन पहले 29 दिसंबर थी, लेकिन कंपनियां इसमें सफल नहीं रहीं और ट्राई ने अब 1 फरवरी की तारीख तय की है।

टेलिकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने अब नई प्राइसिंग और चैनल सेलेक्शन सिस्टम के लिए सैटलाइट और केबल टीवी ऑपरेटर्स को 31 जनवरी तक का वक्त दिया है। नए सिस्टम के तहत दर्शकों को कोई पैक के लिए रकम चुकाने की बजाय चुनिंदा चैनलों के लिए भुगतान करना होगा। इससे उनके पास अपने मनपसंद चैनल चुनने का विकल्प होगा।

अब भी पैक पर ऑफर तो जारी रहेंगे, लेकिन ग्राहकों को सिर्फ पैक में दिए गए चैनलों के भुगतान के लिए बाध्य नहीं किया जा सकेगा। कागजों पर तो अब भी ग्राहकों के पास कोई एक चैनल चुनने का भी विकल्प है, लेकिन सर्विस प्रवाइडर्स चैनल्स को बंडल कर देते हैं।

एक चैनल के लिए अधिकतम 19 रुपये कीमत

यही नहीं ट्राई ने चैनलों की कीमतें भी तय कर दी हैं। किसी भी एक चैनल के लिए दर्शकों को अधिकतम 19 रुपये तक ही चुकाने होंगे।

सोना, चांदी हुआ सस्ता

नयी दिल्ली (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों कीमती धातुओं में रही तेजी के बीच ऊंचे भाव पर जेवराती मांग कमजोर पड़ने से बीते सप्ताह दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 140 रुपये सस्ता होकर 32,500 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया। इस दौरान सिक्का निर्माताओं के उठाव में आयी तेजी और औद्योगिक मांग निकलने से चाँदी 375 रुपये की छलांग लगाती हुई 39,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी।

लंदन और न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, गत सप्ताह लंदन का सोना हाजिर 4.00 डॉलर की साप्ताहिक बढ़त के साथ शुक्रवार को सप्ताहांत पर 1,284.90 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। फरवरी का अमेरिकी सोना वायदा भी 2.80 डॉलर की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 1,286.20 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर के कमजोर पड़ने से लगभग पूरे सप्ताह के दौरान निवेशकों का आकर्षण अधिकतर सुरक्षित निवेश में रहा। हालांकि, अमेरिका-चीन संबंधों में तनाव घटने की संभावना के प्रबल होने से सोने की चमक सीमित रही। इस बीच विदेशों में चाँदी हाजिर भी 0.32 डॉलर चमककर सप्ताहांत पर 15.67 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गयी।

31 सालों बाद बंद होने जा रहा ऑल इंडिया रेडियो का नेशनल चैनल

इंटरनेट के जमाने में रेडियो का धीरे-धीरे पतन हो रहा है. हालांकि, FM रेडियो का बहुत प्रचलन है. लेकिन, AM रेडियो लगभग पूरी तरह मर चुका है. ऐसे में रेडियो के Golden Era के किंग ऑल इंडिया रेडियो का सफर 31 सालों के बाद पूरी तरह थमने जा रहा है. सरकारी प्रसारणकर्ता प्रसार भारती ने इसे बंद करने का ऐलान किया है. इसके अलावा 5 शहरों में इसके ट्रेनिंग एकेडमी को भी बंद किए जाने का फैसला किया गया है. प्रसार भारती का कहना है कि लागत में कटौती के चलते यह फैसला लिया गया है. AIR से फायदा तो दूर चलाने का खर्च भी नहीं निकल पा रहा है. FM रेडियो के चलन के बाद AM रेडियो के बहुत कम लिसनर्स रह गए हैं. माना जाता है कि 10 से 15 फीसदी लिसनर्स ही AM रेडियो को सुनते हैं. लिसनर्स नहीं होने की वजह से विज्ञापन नहीं मिल पाता है. कमाई का जरिया एकमात्र विज्ञापन ही है. ऑल इंडिया रेडियो को 1988 में हिंदी, उर्दू और इंग्लिश में लांच किया गया था. शुरू में इसे 12 घंटे (6.50 PM to 6.50 AM) रातभर बजने वाला रेडियो स्टेशन बनाया गया था. AIR ने इसके जरिए नाइट शिफ्ट काम करने वाले लोगों और छात्रों को टार्गेट किया था.

आज का राशिफल

<u>मेषः</u> आज नए साल के पहले दिन बाहर घूमन-फिरने और शानदार भोजन मिलने का योग है। व्यापारियों को लाभ और सफलता मिलेगी। प्रवास, आर्थिक लाभ और वाहन सुख का योग है।

<u>वृषभः</u> आज का दिन शुभ है। कार्य सफलतापूर्वक पूरे होंगे। आर्थिक लाभ होगा। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। बीमारी में राहत होगी। नौकरी में लाभ होगा।

<u>मिथुनः</u> आज संतान और जीवनसाथी के स्वास्थ्य के संबंध में चिंता होगी। वाद-विवाद में न पड़ें। आत्म सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। पेट संबंधी बीमारियों की आशंका है।

<u>कर्कः</u> शरीर में आलस्य या अस्वस्थता हो सकती है। मनमुटाव और तकरार की आशंका है। सार्वजनिक रूप से मानहानि होने से दुःख का अनुभव करेंगे। समय से भोजन नहीं मिलेगा।

<u>सिंहः</u> कार्य सफलता और प्रतिस्पर्द्धियों पर विजय मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। भाई- बहनों के साथ कोई आयोजन करेंगे। स्वास्थ्य बना रहेगा। प्रियजनों की मुलाकात से खुशी होगी।

<u>कन्याः</u> परिवार में आज आनंद का वातावरण रहेगा। वाणी की मधुरता और न्यायप्रिय व्यवहार से आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगे। आर्थिक लाभ होंगे। विद्यार्थियों के लिए अनुकूल समय है।

<u>तुलाः</u> आज आपको कार्यक्षेत्र में सुनहरा अवसर प्राप्त हो सकता है। आपकी रचनात्मक और कलात्मक शक्ति अधिक निखरेगी। आर्थिक लाभ होगा। वाहन सुख की प्राप्ति होगी।

<u>वृश्चिकः</u> आनंद-प्रमोद, मनोरंजन के पीछे धन व्यय होगा। दुर्घटना से संभलकर रहें। स्वभाव में कुछ उग्रता रहेगी, इसलिए झगड़े से दूर रहें। मानहानि या धनहानि की आशंका है।

<u>धनुः</u> आज का दिन लाभदायी है ऐसा गणेशजी कहते हैं। जीवन का संपूर्ण आनंद आप प्राप्त कर पाएंगे। प्रेम की सुखद अनुभूति होगी। मित्रों के साथ किसी रमणीय स्थल पर घूमने जा सकते हैं।

<u>मकरः</u> व्यापार-धंधे के लिए आज का दिन शुभ है। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी या नौकरी में उच्च पदाधिकारियों द्वारा आपके काम की प्रशंसा होगी। पदोन्नति के योग की संभावना है।

<u>कुंभः</u> आज आपको बेचैनी, थकान और ऊबन रहेगी। काम करने का उत्साह नहीं रहेगा। ऑफिस और काम-काज की जगह पर बॉस की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। लंबी यात्रा होगी।

<u>मीनः</u> स्वास्थ्य के संबंध में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बीमारी के पीछे खर्च करना पड़ सकता है। कामकाज में भी कुछ परेशानी हो सकती है। संभलकर बोलें।

रहेगी घर में सुख-समृद्धि करें पीपल के पेड़ का पूजन

पीपल के पेड़ की पूजा करने से सभी हिन्दू देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। हिन्दू रीति रिवाज में पीपल का पेड़ एक पवित्र पौधा माना जाता है। प्रतिदिन नियमित रूप से पीपल के पेड़ की पूजा की जानी चाहिए। शनिवार के दिन पीपल के पूजन का विशेष महत्व है। जो लोग प्रतिदिन पीपल पूजन नहीं कर सकते वो शनिवार को पूजन कर सकते है। इससे घर में सुख-समृद्धि और आर्थिक लाभ में बढ़ोतरी होती है।

दिन में पीपल के पेड़ में लक्ष्मी का वास माना जाता है। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की रात में पीपल की पूजा को निषिद्ध माना जाता है। रात्री में पीपल पर दरिद्रा बसती है। इसलिए रात्रि में पीपल की पूजा नहीं करनी चाहिए। और पीपल की पूजा सूर्योदय के बाद ही करनी चाहिए। घर में सुख-समृद्धि एवं आर्थिक लाभ में बढ़ोतरी करनी है तो पीपल के पेड़ की छाया में खड़े होकर ताम्बे के पात्र में जल, घी और दूध मिलाकर पीपल की जड़ में चढ़ाने से घर में सुख-समृद्धि होती है।

सिडनी टेस्टः खराब रोशनी ने डाला मैच में खलल, ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 6/0

सिडनी (आरएनएस)। चौथे और आखिरी टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार का खेल तीसरे सत्र में खराब रोशनी के कारण रुक गया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर जारी इस मैच में आस्ट्रेलिया ने भारत की ओर से मिले फॉलोऑन पर दूसरी पारी में चायकाल तक बिना कोई विकेट गंवाए छह रन बना लिए हैं।

गावसकर बोले, कुछ चिंताएं लेकिन भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तान बन सकते हैं विराट

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावसकर का कहना है कि भले ही भारत ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीतने के मुहाने पर खड़ा हो लेकिन विराट कोहली की कप्तानी को लेकर उनकी अब भी कुछ चिंताएं हैं।

गावसकर ने सिडनी टेस्ट के चौथे दिन का खेल शुरू होने से पहले टीवी बातचीत में कहा कि कोहली की बल्लेबाजी शानदार है लेकिन उनकी कप्तानी को लेकर वह अभी पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि कोहली बहुत जल्दी सीखते हैं और अगर वह ऐसा लगातार कर पाए तो वह भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तान बन सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि मैदान पर अग्रेसिव दिखना ही किसी कप्तान के जुनूनी होने का सबूत नहीं है।

64 साल में यह कारनामा करने वाले चाइनामैन बोलर बने कुलदीप यादव

सिडनी (आरएनएस)। कुलदीप यादव ने ऑस्ट्रेलिया में अपने पहले ही टेस्ट मैच में कमाल की गेंदबाजी की। इस चाइनामैन बोलर ने चार टेस्ट मैचों की सीरीज के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में पांच विकेट लिए। रविवार को सिडनी में उन्होंने जोश हेजलवुड को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की।

कुलदीप ने 99 रन देकर पांच विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी को 300 रनों पर समेट दिया। भारत ने अपनी पहली पारी के आधार पर 322 की रनों की बढ़त हासिल की और ऑस्ट्रेलिया को फॉलोऑन दिया। इससे पहले की कुलदीप मैच के चौथे दिन कंगारू टीम की दूसरी पारी में उसे कुछ और झटके देते कि बारिश ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। खराब रोशनी और फिर बारिश के चलते कंगारू टीम की दूसरी पारी में 4 ओवर का ही खेल हो सका और कंगारू टीम 6 रन पर बिना किसी नुकसान के लौटी।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में अगर कुलदीप के प्रदर्शन की बात करें, तो इस चाइनामैन बोलर के लिए टेस्ट क्रिकेट में यह दूसरा मौका है, जब उन्होंने पारी में 5 विकेट लिए। इससे पहले उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में वेस्ट इंडीज के खिलाफ राजकोट में पारी में पांच विकेट लिए थे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए बीते 64 साल में यह पहला मौका है, जब मेहमान टीम के किसी बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पारी में पांच विकेट लिए हों।

जाने नूरी गोभी बनाने की विधि

सामग्री- गोभी- 1 किलो
नमक- स्वादानुसार
तेल- 150 मिली
तेजपत्ता- 6
हरी इलायची- 6
विनिगर- 2 चम्मच
जावित्री पाउडर- 1/ 2 चम्मच
नीबू का रस- 2 चम्मच
अदरक-लहसुन पेस्ट- 2 चम्मच
कटा हुआ प्याज- 4
कटा हुआ टमाटर- 3
हल्दी पाउडर- 1 चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- स्वादानुसार
पानी- आवश्यकतानुसार
गरम मसाला पाउडर- 2 चम्मच
हरी मिर्च- 5
कटी हुई धनिया पत्ती- 4 चम्मच
कटा हुआ लहसुन- 4 चम्मच
भुना हुआ काजू- 150 ग्राम

विधि- गोभी को धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें कटा हुआ लहसुन और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अदरक और लहसुन का पेस्ट और गोभी कढ़ाई में डालें और कढ़ाई को ढक दें। लगभग 10 मिनट बाद कढ़ाई में विनिगर, नीबू का रस और सभी पाउडर मसाला डाल दें। कुछ देर तक धीमी आंच पर पकाएं। भुने हुए काजू और धनिया पत्ती से सजा कर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-40

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

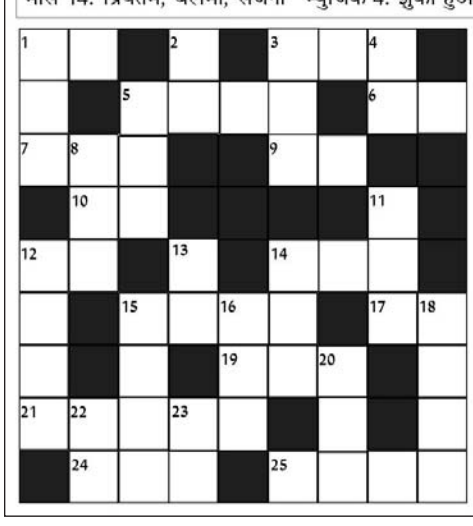

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 39 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

सू-दोकू-40

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.39 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2